इंसान

ना देखी ऐसी दुनिया,
ना ऐसी दुनियादारी !
ना समझ सके हम इसको,
ये समझ से परे है हमारी!
सब लगे है यही बताने,
कौन है किससे भारी!
भूल गए इस लत में,
सब असली ज़िम्मेदारी!
समझ सको तो समझ लो,
सम्भाल सको तो सम्भाल लो!
लक्ष कोई नहीं है बड़ा,
अगर तू अंत तक है खड़ा....!

By:
Nandita Wasan
Class 9-B
Neeti house